



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 05.08.2024










सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(5-11 अगस्त, 2024 / 5th-11th August 2024)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों की फसल वर्तमान में फूल आने की अवस्था में है तथा विगत दो सप्ताह से लगातार बारिश की स्थिति से गुजर रही हैं। अधिकतर क्षेत्रों में चक्र भृंग एवं विषाणु जनित पीला मोज़ेक वायरस रोग प्रारंभिक अवस्था में देखा जा रहा है। साथ ही अन्य कीट जैसे चने की इल्ली एवं सफ़ेद मक्खी जैसे रोग वाहक कीट तथा एन्थ्राक्नोज जैसे रोगों की प्रारंभिक अवस्था देखि जा रही हैं। इस परिपेक्ष में सोयाबीन फसल पर प्रकोप करने वाले संभावित कीटों एवं रोगों के नियंत्रण हेतु केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा हाल ही में अनुशंसित कीटनाशक/रसायनों के छिड़काव कर नियंत्रण किया जा सकता है।

Soybean crop in most of the areas is presently at flowering initiation stage and is experiencing continuous rains/drizzling since last two week. Among the biotic factors, Girdle Beetle, a major insect of soybean and diseases like Yellow Mosaic Virus and Anthracnose have been reportedly seen at their initial stage along with infestation of Gram Pod Borer (*Heliothis armigera*) and White Fly in soybean. Therefore, considering the prevailing weather condition, soy farmers are advised to adopt following control/precautionary measures for management of insect/diseases using the insecticide recommended insecticides issued by the Central Insecticide Board, GOI.

अ. महत्वपूर्ण सम-सामायिक सलाह

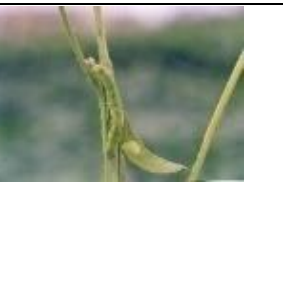
1.	<p>फूल आने की अवस्था में पत्ती खाने वाली इल्लियों को फूलों को भी खाते हुए देखा गया है, अतः फसल की सुरक्षा हेतु उपयुक्त अनुशंसित कीटनाशक का छिड़काव करें। Caterpillars are seen feeding on the soybean flowers. Farmers are advised to apply the spray of recommended insecticide though the crop is at flowering stage.</p>	
2.	<p>बीजोत्पादन वाले खेत में शुद्धता बनाये रखने के लिए फूलों के रंग एवं पौधों/पत्तियों/तने पर पाए जाने वाले रोये के अधर पर भिन्न किस्मों के पौधों को अपने खेत से निष्कासित करें। Farmers are advised to carry out roughing (removal of off-type plants belonging to other varieties) in order to maintain seed purity. This can be done based in flower color or pubescence found on the plant/leaves/pods/stem.</p>	
3.	<p>कई क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा होने की सूचनाये प्राप्त हुई है, कृषकों को सलाह है कि जलभराव से होने वाले नुकसान से सोयाबीन फसल को बचाने हेतु अतिरिक्त जल-निकासी सुनिश्चित करें। Some of the soybean growing areas are reported to have continuous and heavy rains last week. Farmers are therefore advised to make necessary draining arrangements.</p>	



<p>4. मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में “कॉटन ग्रे वीविल”, एवं “टस्क मोथ” नामक कीटों का भी प्रकोप देखा जा रहा है. अधिक प्रकोप पाए जाने पर नियंत्रण हेतु क्विनाल्फोस 25% ई.सी. (1 ली/हे.) या प्रोफेनोफोस 50 ई.सी. (1 ली/हे.) या आइसोसायक्लोसरम 9.2 WW.DC (10% W/V) DC (600 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी. (333 मि.ली.) जैसे कीटनाशकों का छिड़काव करने की सलाह हैं.</p> <p>Infestation of “Cotton Grey Weevil” is observed in some part of Madhya Pradesh. This insect feeds on soybean leaves especially on the corners. Farmers are advised to spray the crop with Quinalphos 25 % EC @ 1 l/ha OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Isocycloserum 9.2WW.DC (10% W/V)DV @600 ml/ha OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) for its control .</p>	
<p>5. मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में सोयाबीन का रस चूसने वाले “जेवेल बग” नामक कीड़े का प्रकोप देखा जा रहा है. अधिक प्रकोप होने पर इसके नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या आइसोसायक्लोसरम 9.2 WW.DC (10% W/V) DC (600 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी. (333 मि.ली.) का छिड़काव करें. तना मक्खी के नियंत्रण के लिए भी इन्ही रसायनों का उपयोग करें.</p> <p>A miner pest of soybean named “Jewel bug” is reportedly seen in certain area of Madhya Pradesh. Farmers are advised to apply spray of Thiamethoxam12.60%+Lambda Cyhalothrin 09.50% ZC @125 ml/ha OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) OR Isocycloserum 9.2WW.DC (10% W/V)DV @600 ml/ha OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) immediately after the symptoms are noticed. These insecticides can also be used for control of Stem Fly.</p>	
<p>6. महाराष्ट्र के मराठवाडा क्षेत्र में घोंघे (snails-slugs/गोगलगाय) का प्रकोप देखा जा रहा है. कृषकों को सलाह हैं कि वे सतर्क रहे एवं अपने खेतों में सतत निगरानी करते रहे. इसके लिए गुड के साथ मेटालडिहाइड 2.5% सूखे पेलेट का द्रावन बनाए तथा जूट के बोरे को इस द्रावन में भिगोकर अपने खेत में रात को रखे एवं अगले दिन निरीक्षण करें. साथ ही सुरक्षात्मक रूप से अपने खेत के चारों ओर चुने की लकीर डालकर घोंघे को आने से रोके. समस्या अधिक होने पर सोयाबीन के लिए अनुशंसित कीटनाशक जैसे मेलाल्थिऑन 50 ई.सी. (1500 मिली/हे) या इन्डोक्साकार्ब 15.8 इ.सी. (333 मिली/हे) या क्विनाल्फोस 25% ई.सी. (1 ली/हे.) का फसल एवं जमीन पर छिड़काव करें.</p>	
<p>The leaf-eating damage caused by snails/slugs has been reported in the Marathwada region of Maharashtra for the last few years. Farmers are advised to monitor the crop on a regular basis and keep watch on the situation in their fields. They may keep the jute bag in the solution made of Metaldehyde 2.5% dry pellet and Jaggery and place it in the field overnight. Similarly, farmers may put lime borders in their fields to prevent their entry. If the population is more, a spray of insecticide Malathion 50.00% EC (1500 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) OR Quinolphos 25 EC targeting both crops as well as the ground surface.</p>	
<p>7. महाराष्ट्र के बुलढाना जिले के कुछ क्षेत्र जहाँ पर कई दिनों से बारिश नहीं होने से सुखी भूमि में सफ़ेद सुंडी का प्रकोप देखा जा रहा है. अतः सलाह है की इसके नियंत्रण हेतु खेत में प्रकाश प्रपंच लगाए एवं व्हाइट ग्रब के वयस्कों को एकत्र होने पर नष्ट करें। साथ ही फसल पर बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) का सोयाबीन की फसल में पौधों में बीच छिड़काव करें।</p>	
<p>The infestation of White grubs has been reported in certain areas of Buldhana district in Maharashtra in absence of rainfall for the last few days. Farmers are therefore advised to installation of light traps for the collection and destruction of white grub adults. Depending upon the severity, farmers are advised for Soil application of Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) between the rows between the rows.</p>	

ब. रोग नियंत्रण:

<p>1.</p>	<p>पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोग के लक्षण दिखने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्खी/एफिड की रोकथाम हेतु एसिटेमीप्रीड 25%+बायफ़ेथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This will also facilitate control of stem fly. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies/Jassids, the vectors of YMV/SMV respectively.</p>	
<p>2.</p>	<p>लगातार बारिश होने वाले क्षेत्रों में एन्थ्राकनोज रोग की सम्भावना अधिक होती हैं. अतः इसके प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर कृषकों को सलाह है कि इसके नियंत्रण हेतु शीघ्रातिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिड़काव करें. In case of continued rains, infection of anthracnose disease is likely to occur. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	 <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>
<p>3.</p>	<p>रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) या फ्लुक्सापग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 मिली/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन + इपोक्कोसीकोनाजोल 50g/l एस.ई. (750 मिली/हे) जैसे फफूंदनाशकों का अपने फसल पर छिड़काव करें. Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) OR Fluxapyroxad 333 g/l FS (300 ml/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.</p>	

स. कीट नियंत्रण:





<p>1.</p>	<p>चने की इल्ली के नियंत्रण हेतु फसल पर इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) का छिड़काव करें. इसके लिये वैकल्पिक कीटनाशक हैं, इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35 एस.सी (150मि.ली.) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस .सी.(875-825मि.ली./हे).</p>	
-----------	---	---

	<p>Attack of <i>Heliothis armigera</i> (Gram Pod Borer) has been reported in some part of Madhya Pradesh. Farmers are advised to apply spray of Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha). Farmers may also apply the spray of any one of the following insecticides like Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha).</p>	
<p>2.</p>	<p>चक्र भृंग के लक्षण दिखाई देने पर प्रारंभिक अवस्था में ही इसके नियंत्रण हेतु थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. (750मिली/हे) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425मिली /हे) या आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 मिली/हे) या कार्टाप हाइड्रो क्लोराइड 04%+ फिप्रोनिल CG % 00.50 (200 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी (1 ली./हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी 18.50 % SC (150 मिली/हे) का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें।</p> <p>For control of Girdle beetle, farmers are advised for destruction of affected plant/part as well as spraying with Thiachloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Isocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 ml/ha) OR Cartap Hydrochloride 04 % + Fipronil 00.50 % CG (200 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC (150 ml/ha) soon after the symptoms are observed.</p>	 <p>Damage Symptoms of Girdle Beetle</p>
<p>3.</p>	<p>सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150मि.ली./हे) या इमामेक्टीन बेन्जोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस.सी (333 मि.ली/हे) , या लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी. एस. (300 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50ई.सी.(1 ली/हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या पूर्वमिश्रित बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
	<p>For the control of Semilooper, farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Profenofos 50 % EC (1 l/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR pre-mixed Beta-cyfluthrin 08.49 % + Imidacloprid 19.81 % w/w OD (350 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha) OR Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC (125 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).</p>	

<p>4. तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्र./हे) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8 एस .सी (333 मि.ली/हे), या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
<p>For the control of Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	
<p>5. आपकी फसल में सेमीलूपर + चने की इल्ली + तम्बाकू की इल्ली एक साथ पाए जाने पर नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8 एस .सी (333 मि.ली/हे), या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p> <p>For the control of Green Semilooer, Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	
<p>6. पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मक्खी/जसीड एवं तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्र./हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (200 मिली./हे.) का छिड़काव करें.</p> <p>In areas having infestation of defoliators as well white fly and stem borers simultaneously, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha).OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).</p>	
<p>7. यदि आपकी फसल में बिहार हेयरी कैटरपिलर का प्रकोप है, इसके नियंत्रण हेतु फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या स्पायनेटोरम 11.7 एस.सी (450 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
<p>For control of Bihar Hairy Caterpillar, farmers are advised to apply spray of Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha).</p>	

सामान्य सलाह / B.General advisory

सामान्य सलाह / B.General advisory

1.	पीला मोज़ेक रोग से सुरक्षा हेतु रोगवाहक कीट सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly, a carrier for transmission of YMV disease.	
2	सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है . Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.	
3	सोयाबीन फसल में तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध कीट विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये. For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects.	
4	अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर 3-4 स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि हैं, तो कीड़ों की अवस्था क्या हैं? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनाये. Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals preferably at 3-4 locations in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.	
5	सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिड़काव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर या ट्रेक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पाँवर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें. Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/tractor-drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).	
6	कीट एवं रोगों से फसल सुरक्षा हेतु उपयुक्त रसायनों का छिड़काव किया जाना चाहिए, भले ही सोयाबीन फसल फुल आने की अवस्था में हो. Protection of crop from the damage caused by insect-pest-disease is of paramount importance. The spray of insecticide/fungicide may be applied even at the flowering stage of the crop.	
7	ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें. Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.	
8	किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो . While purchasing any Agri-input, always obtain a <i>pucca bill</i> from the shopkeeper showing the batch number and expiry date of the product(s).	
9	जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फसल को नुकसान हो सकता है. Farmers are suggested not to use any combination of insecticides/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.	
10	सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले किसान कृपया पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में रोकथाम हेतु बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस अथवा ब्युवेरिया बेसिआना या नोमुरिया रिलेयी (1.0ली/हेक्टे) का प्रयोग करें. In case of organic soybean production, farmers are advised to use <i>Bacillus thuringiensis</i> or <i>Beauveria bassiana</i> or <i>Nomuriya rileyi</i> @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar).	